भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2070
दिनांक 05 अगस्त, 2021 को उत्तर के लिए

महिलाओं और बच्चों में कुपोषण

2070. श्रीमती फूलों देवी नेतम :

क्या **महिला एवं बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में महिलाओं और बच्चों के बीच कुपोषण का प्रसार कितना है, यह वैश्विक औसत से कितना कम या ज्यादा है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या यह सच है कि गत दो वर्षों से पांच वर्ष से कम आयु के लगभग 18 प्रतिशत बच्चे वेस्टेड ग्रोथ (क्षीण विकास) का सामना कर रहे हैं, यदि हां, तो यह प्रतिशत वैश्विक औसत से कितना अधिक है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) भारत में कितने बच्चों की लंबाई औसत से कम है; और
(घ) सरकार द्वारा उक्त कमियों को दूर करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं उपलब्धियों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी **महिला एवं बाल विकास मंत्री**

(क) से (ग) : पोषण संकेतकों पर आंकड़े स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आवधिक रूप से संचालित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षणों(एनएफएचएस) के तहत एकत्रित किए जाते हैं। एनएफएचएस-4 2015-16 में और एक व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण(सीएनएनएस) 2016-18 में किया गया था। एनएफएचएस-5 के अनुसार केवल 22 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के संबंध में कुपोषण के आंकड़े उपलब्ध हैं।

एनएफएचएस-4 के अनुसार, 5 वर्ष से कम आयु के 35.7% बच्चे **अल्पवज़नी** और 38.4% **ठिगने** हैं, जो एनएफएचएस-3 (2005-06) में सूचित 5 वर्ष से कम आयु के 42.5% **अल्पवज़नी** और 48% **ठिगने** बच्चों के पिछले आंकड़ों में कमी दर्शाते हैं। वैश्विक क्षुधा सूचकांक(जीएचआई) रिपोर्ट 2020 के अनुसार, 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में **ठिगनेपन** की दर 21.3% है। 2016-18 में आयोजित सीएनएनएस(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में) ने दर्शाया है कि भारत ने ठिगनेपन की दशा में पर्याप्त सुधार किया है जैसाकि यह एनएफएचएस-4 के अनुसार 38.4% से घटकर 34.7% रह गई है।

इसके अलावा, एनएफएचएस-4 के अनुसार, 22.9% महिलाओं(15-49 वर्ष की आयु) में दीर्घकालीन ऊर्जा न्यूनता(18.5kg/m^2 से कम बीएमआई) है, जो पिछले एनएफएचएस-3(2005-06) के स्तर से कम है, जिसमें 35.5% महिलाओं में दीर्घकालीन ऊर्जा न्यूनता सूचित की गई थी।

5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में **दुबलेपन** के रूझान में सुधार हुआ है और यह 21% (एनएफएचएस-4) से घटकर 17.3%(सीएनएनएस) रह गया है। वैश्विक क्षुधा सूचकांक(जीएचआई) रिपोर्ट 2020 के अनुसार, 5 वर्ष कम आयु के बच्चों में **दुबलेपन** की दर 6.9% है।

(घ) : देश से एक चरणबद्ध तरीके से कुपोषण को कम करने और 0-6 वर्ष के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में पोषण स्थिति में समयबद्ध तरीके से सुधार हासिल करने के उद्देश्य से 8 मार्च, 2018 को पोषण अभियान की शुरूआत की गई थी।

कुपोषण के उन्मूलन के लिए, सरकार ने स्वास्थ्य, कल्याण और रोग तथा कुपोषण से प्रतिरक्षा को पोषित करने वाली प्रथाओं को विकसित करने पर केंद्रित पोषण सामग्री, प्रदायगी, पहुंच और परिणामों को सशक्त बनाने के लिए मिशन पोषण की घोषणा की है। पोषण गुणवत्ता में सुधार लाने और प्रत्यायित प्रयोगशालाओं में जांच कराने, सेवाओं के तुरंत पर्यवेक्षण और प्रबंधन के लिए पूरक पोषण के प्रावधान की रियल टाइम निगरानी के संबंध में व्यवस्था में सुधार लाने के लिए एक सशक्त आईसीटी सक्षम प्लेटफार्म 'पोषण ट्रैकर' के तहत प्रदायगी को सशक्त बनाने और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

सरकार ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि पूरक पोषण की गुणवत्ता खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 और उसके तहत बनाए गए विनियमों के तहत निर्धारित मानकों के अनुरूप हो। राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को कुपोषण और संबंधित बीमारियों की रोकथाम के लिए आयुष प्रणालियों के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं। पोषण पद्धतियों में पारंपरिक ज्ञान का प्रयोग करते हुए आहार विविधता अंतराल की पूर्ति के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिकाओं के विकास को सहयोग देने का एक कार्यक्रम भी शुरू किया गया है।

*****